केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450 9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 38 शुक्रवार 30 अगस्त 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

व्यापारी दिवस पर आयोजन 3 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता
बस्ती । जय पुर्वांचल उद्योग व्यापार मंडल संबध अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल की एक बैठक कटरा मूड़घाट रोड स्थित जिला कार्यालय पर सम्पन्न हुई।

बैठक की सम्बोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि प्रांतीय उपाध्यक्ष अमर मणि पाण्डेय ने कहा कि आगामी 3 सितम्बर को व्यापारी दिवस पूरे प्रदेश में मनाया जायेगा, जिसमें प्रदेश के प्रत्येक जिला मुख्यालय, तहसीलों के साथ साथ सभी बाजारों में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष सुबास शुक्ल ने कहा कि बस्ती जनपद की चारों तहसीलों में स्वास्थ्य कैम्प, व्यापारी जागरण यात्रा, वृद्धाश्रम में आवश्यक सामग्री वितरण सहित अनेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, श्री शुक्ल ने कहा कि जनपद मुख्यालय पर दक्षिण दरवाजा स्थित एक मैरेज हॉल में विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से समाज की सेवा में लगे अनेक व्यापारियों का सम्मान किया जायेगा।

महामंत्री ब्रजेश सिंह मुन्ना ने कहा कि व्यापारी दिवस पर जिले के प्रत्येक बाजार में पैदल जन जागरण यात्रा, साइकिल यात्रा,मोटरसाइकिल यात्रा,चिकित्सा शिविर, विचार गोष्ठी सहित अनेक कार्यक्रमों के आयोजन की रुपरेखा तैयार किया गया है जनपद के सभी बाजारों में व्यापारी दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा।

बैठक में प्रमुख रूप से अयोध्या प्रसाद कशौधन,डा0 वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी,एस वी अग्रहरि ,रामविनय पाण्डेय, राजेश चित्रगुप्त, महेंद्र पाण्डेय, रमेश सिंह, इन्द्रभुजा पाण्डेय, राजीव पाण्डेय, लालजी शुक्ल, लल्ला यादव, आदित्य नारायण गिरि सहित अनेक व्यवसायी उपस्थित रहे।

बुखार, उल्टी दस्त के मरीज बढ़े

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। बारिश के बीच जगह–जगह गांव, कॉलोनियों और वार्डों में जलभराव की समस्या हो गई है, इससे मच्छरों का प्रकोप बढ़ने लगा है। इसके बाद मौसमी बीमारियों के मरीज भी बढ़ने लगे हैं। मेडिकल कॉलेज में वॉयरल बुखार, उल्टी–दस्त, स्किन, खांसी–जुकाम, पेट दर्द के करीब 500 मरीज हर दिन पहुंच रहे हैं। रोगियों की पर्चा काउंटर से लेकर आउटडोर तक लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं।

मेडिकल कॉलेज की चिकित्सा इकाई ओपेक हॉस्पिटल कैली के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रो. बीएल कन्नौजिया ने बताया कि ओपीडी में वॉयरल से सम्बंधित रोगियों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। बरसात के बाद वायरल बुखार, उल्टी–दस्त, खांसी–जुकाम आदि के मरीज काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। आउटडोर में सबसे ज्यादा वॉयरल और पेट सम्बंधी रोगी पहुंच रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मानसूनी सीजन में जगह–जगह बरसाती पानी एकत्र हो जाता है, जिनमें मच्छर पैदा होते हैं। मानसूनी सीजन वॉयरल जनित बीमारियों के फैलाने के लिए काफी अनुकूल होता है। इस मौसम में लोग साफ–सफाई स्वच्छ पानी और भोजन का विशेष ध्यान नहीं रख पाते हैं। बाजार का खानपान भी लोगों को बीमार बना रहा है।

फिजिशियन डॉ. आरडी पटेल ने बताया 10 दिन बाद डेंगू जैसी बीमारी का खतरा बढ़ जाएगा। मानसूनी सीजन में बीमारियों से बचने के लिए लोगों को अपनी दिनचर्या और खानपान पर विशेष ध्यान देने की जरूरत होती है। इस मौसम में पानी हमेशा उबाल कर या आरओ का पानी ही पीयें। गरिष्ठ, बासी और बाजार का भोजन न करें। संतुलित और पौष्टिक भोजन लें। तला हुआ और जंक फूड खाने से बचें। साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

दो साल में दो लाख सरकारी नौकरियां देगी योगी सरकार

कानपुर (आभा)। यूपी पुलिस भर्ती के बीच सीएम योगी ने बड़ा ऐलान कर दिया। गुरुवार को कानपुर पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा, दो साल में दो लाख नौकरियां दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि इनमें से एक लाख नौजवान पुलिस में भर्ती किए जाएंगे। 20 फीसदी बेटियां भर्ती होंगी, जो शोहदों का उपचार सड़कों पर ही करेंगी। कांग्रेस और सपा पर हमलावर मुख्यमंत्री ने कहा कि 'लाल इमली' कांग्रेस के भ्रष्टाचार का स्मारक है, इसका पुनरुद्धार करेंगे। लाल टोपी वाले काले कारनामों के लिए जाने जाते हैं। वह

जीआईसी परिसर में 725 करोड़ की योजनाओं के लोकार्पण, व शिलान्यास के बाद समारोह में बोल रहे थे। उन्होंने युवाओं को लैपटॉप, स्मार्ट फोन और नियुक्तिपत्र भी बांटे।

उन्होंने कहा कि सीसामऊ के पूर्व सपा विधायक इरफान सोलंकी ने गरीब की जमीन हड़पी। पूर्व राष्ट्रपति के दौरे के दिन दंगे की साजिश रची। इन्हीं कारनामों की वजह से विधायकी गई और अब जेल में सजा भुगत रहे हैं। इन्हीं कारनामों की वजह से सीसामऊ में उपचुनाव हो रहा है। कानपुर वासी यह सीट भी जिताकर भेजेंगे।

योगी ने कन्नौज रेप कांड का जिक्र करते हुए कहा कि 'नवाब' ब्रांड ही सपा की पहचान है। यही अयोध्या में देखने को मिला। सपा नेता ने बेटी की इज्जत के साथ खिलवाड़ किया और सपा मुखिया उसका समर्थन करते दिखाई देते हैं। लखनऊ में उनके गुंडे बारिश में बेटी को गिराने का काम करते हैं। हमने सदन में कहा था–इनके लिए सद्भावना नहीं, बुलेट ट्रेन चलेगी।

पेड़ वाले बाबा ने रोपे 400 शहतूत के पौधे

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पेड़ वाले बाबा के नाम से लोकप्रिय पर्यावरण प्रेमी गौहर अली द्वारा पौधरोपण का अभियान चरणबद्ध ढंग से जारी है। हर्रैया तहसील क्षेत्र के अपने गांव भदावल खुर्द स्थित मिनी बूटेनिकल गार्डेन में उन्होंने रेशम विभाग से प्राप्त लगभग 400 शहतूत के पौधे रोपित किये।

पेड़ वाले बाबा प्रेमी गौहर अली ने बताया कि बूटेनिकल गार्डेन में 200 से अधिक पौधे अपना आकार ले चुके हैं और वे शीघ्र छाया देंगे। बताया कि शहतूत के पौधों की पत्तियां रेशम पालन करने वाले किसानों को उपलब्ध करायी जायेंगी ।

पेड़ वाले बाबा के नाम से लोकप्रिय प्रेमी गौहर अली ने बताया कि भदावल खुर्द स्थित मिनी बूटेनिकल गार्डेन में लगभग सभी प्रकार के पौधे रोपे गये हैं।

शहतूत के पौधरोपण में पेड़ वाले बाबा प्रेमी गौहर अली के साथ मो. शमीम, मासूम रजा, सिरताज अली, पुटरू आदि ने योगदान दिया।

अपर पुलिस अधीक्षक ने बुर्जुग को भेंट किया साईकिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के अंतर्गत पिपरा चद्र पति गांव के निवासी परमात्मा मिश्र जो दीवानी न्यायालय में वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव के लिपिक है उनकी साइकिल विगत लगभग दो माह पूर्व मंडी समिति से गायब हो गई जिसको काफी खोज बीन किया गया लेकिन मिल नहीं सकी। इसके बाद अपर पुलिस अधीक्षक ओ.. पी सिंह से मिलकर शिकायत दर्ज कराई गई। किंतु अपर पुलिस अधीक्षक के दरियादिली से सीओ सिटी सत्येंद्र तिवारी के प्रयास से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में 75 वर्षीय परमात्मा मिश्र की पुरानी साइकिल गायब होने के बदले अपर पुलिस अधीक्षक ओपी सिंह एवं सी ओ सिटी सत्येंद्र तिवारी द्वारा नई साइकिल देकर उनका उत्साहवर्धन किया।

शिकायत करने पर सफाई कर्मी दे रहा है धमकीः डीएम से लगाया न्याय की गुहार

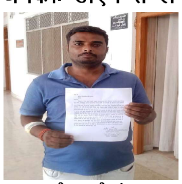

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गंगापुर निवासी सुधीर कुमार पाण्डेय ने ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत राज अधिकारी को पत्र देकर परसा जागीर में तैनात सफाई कर्मचारी रामजीत के विरुद्ध कार्यवाही की मांग किया था। इसके बाद सफाईकर्मी शिकायतकर्ता सुधीर कुमार पाण्डेय को ही धमकियां दे रहा है।

गंगापुर निवासी सुधीर कुमार पाण्डेय ने जिलाधिकारी को पुनः पत्र देकर कहा है कि सफाई कर्मचारी रामजीत नियम विरुद्ध तरीके से नियुक्ती कराके, रसूख के दम पर गांव में बिना कार्य किए ड्यूटी हाजिरी लगवा लेता है । अपने निवास के ही ग्राम पंचायत में नियुक्ति करवाकर स्थानीय राजनीति के साथ ही अन्य बहुत से बहुत से कारोबार करता है । सफाई कभी नहीं करता है, जिसके कारण इनके कार्यक्षेत्र में कूड़े करकट का ढेर लगा रहता है। मांग किया कि उक्त सफाईकर्मी की जांच कराकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराया जाय। इसके साथ ही उसकी और परिवार के सदस्यों और शिकायतकर्ताओं के जान माल के रक्षा के साथ ही फर्जी मुकदमों से बचाने की मांग किया है। विभागीय स्तर पर कोई कार्यवाही न होने पर सुधीर कुमार पाण्डेय ने आशंका व्यक्त किया है कि उक्त दबंग सफाईकर्मी शिकायत के कारण कोई भी कदम उठा सकता है। वह लगातार धमकियां दे रहा है।

आजाद समाज पार्टी के जिला उपाध्यक्ष बने जितेन्द्र कुमार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। आजाद समाज पार्टी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद के विचारों से प्रेरित होकर बस्ती जनपद के युवा समाजसेवी जितेन्द्र कुमार ने आजाद समाज पार्टी का दामन थाम लिया। उन्हें जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। जितेन्द्र ने कहा की बहुजन समाज के हितों के लड़ाई के लिए आजाद समाज पार्टी में शामिल हुआ हूं शोषितों ,वंचितों ,पिछड़ों और महिला अधिकारों की रक्षा के हर समय तैयार रहूंगा , समाज के हर तबके के उत्थान के लिए जनता में काम करूंगा । जितेंद्र कुमार ने कहा सांसद चन्द्रशेखर आजाद के सम्मान में वे अपने नाम के आगे आजाद लगायेंगे।

पार्टी के जनसंपर्क कार्यालय पर एक बैठक कर पार्टी के जिला अध्यक्ष नासिर खान ने जितेंद्र कुमार को पार्टी में शामिल कर उन्हें जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा है।

जितेन्द्र कुमार को आजाद समाज पार्टी का उपाध्यक्ष बनाये जाने पर जिला अध्यक्ष नासिर अली खान, जिला सचिव राम किशोर कन्नौजिया, मीडिया प्रभारी फूल कुमार आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

भुगतान की मांग को लेकर सहारा जमाकर्ताओं ने प्रदर्शन कर वित्त मंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुरुवार को सहारा निवेशको का डूबा धन दिलाये जाने की मांग को लेकर संयुक्त ऑल इंडिया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के बैनर तले शास्त्री चौक के समीप राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय देव शुक्ला के नेतृत्व में संगठन से जुड़े लोगों ने सहारा में जमाकर्ताओं के धरना दिया। धरने के बाद अपर जिलाधिकारी के माध्यम से केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को ज्ञापन भेजा। ज्ञापन में बस्ती जिले सहित देश भर के सहारा निवेशकों का पैसा वापस किए जाने सहित अन्य मांगें शामिल हैं।

ज्ञापन देने के संयुक्त ऑल इंडिया जन आंदोलन संघर्ष न्याय मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय देव शुक्ला ने कहा कि देशभर के सहारा पीड़ितों का एक बड़ा गंभीर मुद्दा है, जमाकर्ताओं को उनका बकाया भुगतान दिलाने के लिए 29 नवम्बर तक चरणबद्ध ढंग से धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। बताया देश की वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के बयान के बाद

-बयान देने की जगह भुगतान दिलाने की पहल करे केन्द्रीय वित्त मंत्री-अभय देव शुक्ला

जमाकर्ताओं में आक्रोश है। देश की वित्तमंत्री ने कहा कि मेरे पास पैसे हैं कागज ले आओ और पैसे ले जाओ, लेकिन देशभर के लोगों ने विगत पांच सालों से बड़े पैमाने पर आंदोलन देशभर में किया, वित्तमंत्री के बयान और देश के गृह मंत्री के तमाम बयानों का विरोधाभास स्पष्ट रूप से दिखता है। कहा कि केन्द्र सरकार के मंत्री बयान देने की जगह जमाकर्ताओं का धन दिलाने की दिशा में पहल करें। जमाकर्ताओं को अब संदेह होने लगा है कि केन्द्र सरकार सहारा को संरक्षण देकर उसे बचा रही है। ऐसे में तो गरीब जमाकर्ताओं का करोड़ो रुपया डूब जायेगा।

कहा कि वित्तमंत्री कागज मांग रही हैं, देश के गृहमंत्री ने तमाम मंचों से कहा और एक सीआरसी पोर्टल का गठन किया ताकि देश के निवेशकों के पैसे का भुगतान हो पाए, जब देश भर में हम लोगों ने आंदोलन करके उनको जगाने का काम किया, उस पोर्टल में डेढ़ करोड़ से ज्यादा लोगों ने आवेदन प्रस्तुत किया, अपना आधार कार्ड दे दिया, पैन कार्ड दे दिया, बैंक पासबुक की फोटो कॉपी दे दी और बॉन्डों की तमाम फोटो कापियां जो सहारा के प्रबंधन तंत्र ने उनको जारी किया था। कहा कि जब दबाव पड़ता है तो देश की वित्तमंत्री संसद में कहती हैं कि कागज ले आओ और पैसा ले जाओ अब समझ में ये नहीं आता है कि अब वो कौन सा कागज मांग रही हैं।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष बृजेश कुमार सिंह, राम प्रकाश पाठक, जितेंद्र सिंह, भास्कर प्रसाद, परमानन्द यादव, कुशल जैन, सतीश कुमार, अखिलेश सिंह, अभिषेक मिश्रा, राजेश प्रसाद, डी.के. पाण्डेय, शीतला त्रिपाठी, मनोज कुमार यादव, आशाराम, वीरेन्द्र चौधरी, शिवानी जैन, बब्लू पाण्डेय, चन्द्र प्रकाश उपाध्याय, मोहित कुमार, कादिर खान, कुसुम अग्रवाल, सुनील उपाध्याय, दिनेश कुमार, सुनील पाल, विशाल, अमित गोंड, राहुल पाण्डेय, धर्मपाल आदि मौजूद रहे।

जेडीयू ने भी उठाई देशभर में जातिगत जनगणना की मांग

नई दिल्ली (आभा)। जातिगत जनगणना कराने की मांग कर रहे विपक्ष के साथ अब एनडीए की अहम सहयोगी जेडीयू ने भी सुर मिला लिया है। गुरुवार को जेडीयू ने गुरुवार को कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण संबंधी संसदीय समिति में चर्चा के लिए 'जाति आधारित जनगणना' को विषय के रूप में शामिल किया जाए। डीएमके के सदस्य टीआर बालू ने समिति की पहली बैठक में यह मुद्दा उठाया। भाजपा सदस्य गणेश सिंह इस समिति के अध्यक्ष हैं। संसद सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस सदस्य मणिकम टैगोर चाहते थे कि समिति चर्चा के लिए सबसे पहले विषय के रूप में 'जाति आधारित जनगणना' को सूचीबद्ध करे।

जल जीवन मिशन में लापरवाही क्षम्य नहीं- मण्डलायुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता
बस्ती । मण्डलायुक्त अखिलेश सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन से संबंधित कार्यो की प्रगति की समीक्षा बैठक आयुक्त सभागार में आहूत की गयी। बैठक में उन्होंने मेसर्स मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर, मेसर्स वी.एस.ए. इन्फा प्रोजेक्ट, मेसर्स जैक्शन विश्वराज चयनित फर्मो को निर्देशित किया कि पाईपलाइन लिकेज की समस्या को गुणवत्तापूर्ण ढंग से ठीक करायें और संबंधित ग्राम प्रधान को भी दिखा दें कि कैसे ठीक किया जा रहा है और उनके हस्ताक्षर भी आवश्यक कागज पर लिया जाय। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति करना सुनिश्चित करें। इसमें किसी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नही होगी।

जलजीवन मिशन कार्यक्रम अन्तर्गत मण्डल में कुल 100 भूमि संबंधी विवादों में निर्देश दिया कि संबंधित विभागीय अधिकारी जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी से समन्वय स्थापित कर समस्या का निराकरण करायें। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि अगर भूमि उपलब्ध नही हो पा रही है तो शासन को भूमि क्रय किये जाने के संबंध में पत्र प्रेषित किया जाय।

बैठक में उन्होंने पाया कि 1049 गॉव में रेगुलर वाटर सप्लाई किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसका सत्यापन जिलाधिकारी द्वारा कराया जायेगा। उन्होंने संबंधित को निर्देश दिया कि मण्डल पर जल जीवन मिशन योजना से संबंधित समस्या के निराकरण हेतु कंट्रोल रूम भी बनाया जायेगा तथा ग्राम प्रधानों से बिन्दुवार वार्ता की जायेगी अगर कही कोई विसंगति पायी जाती है तो संबंधित की जिम्मेदारी तय करते हुए विभागीय कार्यवाही किया जायेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मण्डल के तीनों जिलों के सीएमओ से बात कर ली जाय कि जिन गॉव में जल प्रदूषित होने के कारण गम्भीर बीमारियाँ फैल रही हो उसकी सूची तैयार करा ली जाय, जिससे प्राथमिकता से जल जीवन मिशन का कार्य तेजी से किया जा सकें।

जारी है गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने को लेकर शिक्षकों की मुहिमः सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने का अभियान उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह और हर्रैया तहसील अध्यक्ष राजकुमार तिवारी के नेतृत्व में शिक्षकों ने उपजिलाधिकारी हर्रैया को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार कमलेंद्र सिंह को सौंपकर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने की मांग किया। जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने कहा कि जनपद में बड़ी संख्या में गैर मान्यता के मानक विहीन विद्यालय खुले हैं जिसको बंद करने के साथ ही कार्यवाही का आदेश जारी किया जाए। कहा कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय अभिभावकों से बड़े पैमाने पर किताब, ड्रेस और अन्य सुविधाओं के लिए अच्छी रकम लेते हैं जिससे अभिभावकों का शोषण हो रहा है। यदि जल्द ही गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही नहीं हुई तो संगठन बड़े आंदोलन के लिए बाध्य होगा। तहसील अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने कहा कि जल्द ही कमेटी बनाकर गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर कार्यवाही की जाए

–गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय बन्द नहीं हुए तो होगा आन्दोलन –चन्द्रिका सिंह

अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन करके शासन स्तर से कार्रवाई का आग्रह किया जाएगा। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने के लिए चारों तहसीलों में उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया जा चुका है। अब आगामी शनिवार को जिलाधिकारी से मिलकर ज्ञापन दिया जाएगा तथा पूरे जनपद के गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों को बंद कराने की बात की जाएगी।

ज्ञापन सौंपने में मुख्य रूप से रंजन सिंह, देवेन्द्र सिंह, रामसागर वर्मा, सुधीर तिवारी, शिव प्रकाश सिंह, हरेंद्र यादव, दिनेश सिंह, घनश्याम पाण्डेय, अनिल ठाकरे, रामपियारे, सत्यराम वर्मा, संजीव सिंह, राम सहाय, प्रेम कुमार, अभिषेक मौर्य, मीरा चौधरी, महेन्द्र कुमार, अजीत सिंह, रामकमल, जीतेंद्र कुमार, राम नारायण वर्मा, शोभाराम, अनूप पाण्डेय, अखिलेश पाण्डेय, मुरलीधर, विवेकानंद, कृष्णधर दूबे, अवधेश कुमार, जनार्दन पाण्डेय, विजय राव, मंगला मौर्य, विजय भारती, वेद उपाध्याय, राजीव श्रीवास्तव, अमित पाण्डेय, रजनीश यादव, गौरव चौरी , हरिओम यादव ,आनंद, संतोष पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

पुण्य तिथि पर याद किये गये मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस लक्ष्मीकान्त शुक्ल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गुरूवार को मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस स्वर्गीय लक्ष्मीकान्त शुक्ल को उनके सातवीं पुण्य तिथि पर प्रेस क्लब सभागार में नमन किया गया। अनेक लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण करते हुये कहा कि लक्ष्मीकान्त ने फीस भरपाई एवं छात्र वृत्ति दिलाने के लिये सर्वोच्च न्यायालय तक संघर्ष करके विजय दिलाया। आज इसका लाभ प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों को मिल रहा है।

मेधा पार्टी के केन्द्रीय प्रवक्ता दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि बस्ती के पूर्व मुख्य विकास अधिकारी रहे लक्ष्मीकान्त शुक्ल की प्रेरणा से वे मेधा आन्दोलन से जुड़े । स्व. शुक्ल के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति का लाभ मिले। कहा कि मेधा द्वारा प्रदेश के लाखों वंचित छात्रों के फीस की भरपाई और छात्रवृत्ति दिलाये जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध आन्दोलन चलाया जा रहा है। सरकार इस दिशा में अभी गंभीर नहीं है। बताया कि समूचे प्रदेश में मांगों को लेकर जन जागरण अभियान चलाया जायेगा, आगामी 5 सितम्बर से प्रदेश व्यापी जन जागरूकता अभियान चलाये जाने के साथ ही निजी विद्यालयों में 6 से 14 वर्ष के 25 प्रतिशत गरीब

-निजी स्कूलों की मनमानी के विरूद्ध अभियान चलायेगी मेधा पार्टी- दीनदयाल तिवारी

छात्र–छात्राओं को प्रवेश दिलाने, निजी स्कूलों में अभिभावकों के आर्थिक शोषण बंद कराने, मनमानी फीस पर अंकुश लगाने, प्रति वर्ष किताबों को बदल देने पर रोक लगाने आदि के सवालों को लेकर संघर्ष तेज किया जायेगा।

दीन दयाल त्रिपाठी ने कहा कि दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति सुविधा का शत प्रतिशत पालन, कटौती बंद किये जाने, आय सीमा ढाई लाख किये जाने, अंक प्रतिशत सीमा समाप्त करने आदि मांगों को लेकर मेधा का जन जागरण अभियान जारी है। मेधा संस्थापक पूर्व आईएएस स्वर्गीय लक्ष्मीकान्त शुक्ल को नमन करने वालों में मुख्य रूप से नन्हें उपाध्याय, उमेश पाण्डेय मुन्ना, रूद्र आदर्श पाण्डेय, धर्मेन्द्र श्रीवास्तव, जमुना पाण्डेय, प्रमोद कुमार यादव, अनिरूद्ध प्रजापति, नीरज मिश्र, शिवम विश्वकर्मा, त्रिभुवन नाथ मिश्र, रोहित गुप्ता, सत्येन्द्र कुमरी वर्मा, शहजाद आलम, वृजेन्द्र सिंह, वृजेश द्विवेदी, सन्तराम, विनोदमणि त्रिपाठी, संजय प्रधान, सियाराम तिवारी, राजेश कुमार शुक्ल, सुनील भट्ट, अंकेश पाण्डेय, विपुल पाण्डेय, विपिन पाण्डेय, विष्णुकुमार पाल उर्फ नन्हें पाल, राजन तिवारी, नरेन्द्र मिश्र, राहुल तिवारी, प्रशान्त शुक्ल, रमेश मिश्र, योगेश मिश्र, विपिन पाण्डेय, आशीष कुमार त्रिपाठी के साथ ही मेधा के अनेक पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न संगठनों के लोग शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 30 अगस्त 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

गठबंधन सरकार की मजबूरियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक मोर्चा सरकार को देश में शासन करने के लिए शपथ लिए हुए अभी 3 महीने से कुछ ज्यादा ही हुए हैं। पिछले 2 कार्यकालों के विपरीत, नतीजों ने यह सुनिश्चित किया कि गठबंधन की मुख्य राजनीतिक पार्टी, भारतीय जनता पार्टी को सरकार के अस्तित्व के लिए अपने गठबंधन सहयोगियों पर बहुत अधिक निर्भर रहना पड़ा। गठबंधन की राजनीति का असर सरकार के गठन के कुछ ही समय में स्पष्ट हो जाता है। पिछली 2 एन.डी.ए. सरकारों को मनमाने फैसले थोपने के लिए जाना जाता था, जो कई बार अधूरे विचारों या सत्ताधारियों की सनक और कल्पनाओं पर आधारित होते थे।

85 प्रतिशत करंसी नोटों को अचानक बंद करने का फैसला, जिससे अर्थव्यवस्था को झटका लगा और माल और सेवा कर (जी.एस.टी.) को जल्दबाजी में लागू करना, जिसने व्यापार और उद्योग के विकास को भी बाधित किया, ऐसे ही 2 फैसले थे। इसने किसानों को एक साल से अधिक समय तक आंदोलन करने दिया और फिर चुनावों के मद्देनजर 3 कृषि बिलों को वापस ले लिया। सी.बी.आई., प्रवर्तन निदेशालय और आयकर विभाग जैसी कानून प्रवर्तन एजेंसियों का घोर दुरुपयोग, राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाना या गिरफ्तार करना और मीडिया की आवाज दबाना, अन्य कठोर कदम थे, जिससे इस बात पर बहस शुरू हुई कि क्या क्रूर बहुमत तानाशाही प्रवृत्तियों को जन्म दे सकता है।

इस कहावत को भी दोहराया गया कि सत्ता भ्रष्ट करती है और पूर्ण सत्ता पूर्ण रूप से भ्रष्ट करती है। यहां भ्रष्टाचार शब्द का अर्थ जरूरी नहीं कि धन और संसाधनों के मामले में भ्रष्टाचार हो। इसका अर्थ पक्षपात और भाई—भतीजावाद और भ्रष्टाचार के अन्य रूप भी हैं, जिसमें राज्य एजैंसियों का हथियारीकरण और विपक्षी शासित राज्यों को परेशान करने के लिए राज्यपालों का दुरुपयोग शामिल है। शायद ऐसे सभी कारक मतदाताओं के बीच भारी पड़े और उन्होंने सत्तारूढ़ गठबंधन के पंख काटने का फैसला किया।

इसका नतीजा यह हुआ कि भाजपा का वर्चस्व खत्म हो गया और एक मजबूत विपक्ष की वापसी हुई, जो पिछले 2 आम चुनावों में खत्म हो गया था। और अब गठबंधन सहयोगियों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का नतीजा स्पष्ट हो रहा है। गठबंधन के अस्तित्व की कुंजी रखने वाले सहयोगियों को केंद्रीय बजट में बिहार और तेलंगाना को दी गई रियायतें सर्वविदित हैं। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण कुछ महत्वपूर्ण निर्णयों को वापस लेना था, जो राष्ट्र के गले में निर्णय थोपने के बिल्कुल विपरीत था।

सरकार ने सबसे पहले प्रसारण मीडिया के मसौदे को वापस ले लिया, जिसमें ऑनलाइन मीडिया के लिए कठोर उपाय थे, फिर इसने वक्फ बोर्ड विधेयक को संयुक्त संसद की एक प्रवर समिति को भेज दिया और हाल ही में केंद्र सरकार में भर्ती के लिए पार्श्व प्रविष्टि विज्ञापन को वापस ले लिया। लेटरल एंट्री के बारे में अंतिम निर्णय जांच के दायरे में आ गया है क्योंकि यह कांग्रेस और गठबंधन के एक प्रमुख सहयोगी द्वारा तीखी आलोचना से प्रभावित था और इस साल 4 राज्यों में होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए किया गया था।

विडंबना यह है कि यह कांग्रेस ही थी जिसने लेटरल एंट्री की प्रणाली शुरू की थी और इसके लाभार्थियों में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, दूरसंचार विशेषज्ञ सैम पित्रोदा और नंदन नीलेकणी थे, जिन्होंने आधार प्रणाली शुरू करने वाली टीम का नेतृत्व किया, जिसने गरीबों के लिए कल्याणकारी उपायों को सुव्यवस्थित किया। इन सभी सज्जनों और कई अन्य लोगों ने राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा इस कदम के खिलाफ तीखा हमला करना और आरक्षण का सवाल उठाना अनुचित और अतार्किक था। हालांकि लेटरल एंट्री का सवाल विस्तृत विश्लेषण का हकदार है, लेकिन जिस मुद्दे पर कांग्रेस ने इसकी आलोचना की और सरकार ने इसे वापस ले लिया।

एस.सी., एस.टी. और ओ.बी.सी. आदि के लिए आरक्षण से संबंधित वह अतार्किक और अनावश्यक था। केवल 45 पद थे और ये सरकार में कुशल विशेषज्ञों को शामिल करने के लिए थे। अगर वे सभी आरक्षित श्रेणियों से होते तो किसी को कोई आपत्ति नहीं होती। प्रमुख विपक्षी दल के रूप में, कांग्रेस को यह समझने की जरूरत है कि उसका उद्देश्य सरकार के सभी फैसलों का विरोध करना नहीं है। उसे सरकार की रचनात्मक आलोचना करनी चाहिए और उसे सतर्क रखना चाहिए, लेकिन खुद को प्रतिगामी कदम उठाने की अनुमति नहीं देनी चाहिए। देश उसकी भूमिका पर बारीकी से नजर रखेगा और यह फैसला करेगा कि कौन कम बुरा है। बहुमत से समर्थित एक तानाशाही सरकार जिसमें सभी खामियां और ज्यादतियां हैं या एक समझौतावादी सरकार जो अपने अस्तित्व को ध्यान में रखते हुए निर्णय लेती है। दोनों ही विकल्प एक स्वस्थ और जीवंत लोकतंत्र के लिए अच्छे नहीं हैं। राजनीतिक विभाजन के सभी वर्गों के बीच बेहतर समझ की जरूरत है।

महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर राष्ट्रपति की टिप्पणी के निहितार्थ

—रोहित माहेश्वरी—

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर आक्रोश जाहिर करने के साथ ही इस पर अंकुश लगाने का आह्वान किया है। कोलकाता में बीते 9 अगस्त को आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में जूनियर डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या को लेकर राष्ट्रपति ने कहा कि इस घटना ने उन्हें बहुत ही निराश और व्यथित कर दिया है। दुख की बात है कि यह अकेली घटना नहीं है, देश के अन्य हिस्सों में भी छोटी—छोटी बच्चियों के साथ अपराध की घटनाएं हो रही हैं।

राष्ट्रपति ने महिलाओं के खिलाफ अपराध पर समाचार एजेंसी पीटीआई के लिए 'महिला सुरक्षा बस बहुत हुआ' शीर्षक से लिखे लेख में कहा कि बस! बहुत हो चुका। अब समय आ गया है कि भारत ऐसी 'विकृतियों'के प्रति जागरूक हो और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम और कम बुद्धिमान के रूप में देखती है। राष्ट्रपति ने कहा कि 'कोई भी सभ्य समाज बेटियों और बहनों के खिलाफ इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दे सकता। देश को इस पर गुस्सा जाहिर करना ही चाहिए और मैं भी इससे गुस्से में हूं।'

राष्ट्रपति ने कहा, 'जब कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, अपराधी खुलेआम घूम रहे थे। पीड़ितों में किंडरगार्टन की लड़कियां भी शामिल हैं'। रक्षा बंधन पर स्कूली बच्चों के एक समूह के साथ अपनी हाल की मुलाकात को याद करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि 'उन्होंने मुझसे मासूमियत से पूछा कि क्या उन्हें आश्वासन दिया जा सकता है कि भविष्य में निर्भया जैसी घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी। साल 2012 की घटना के बाद आक्रोशित राष्ट्र ने कई योजनाएं बनाई और रणनीतियां बनाईं और कुछ बदलाव किए। तब से 12 वर्षों में, इसी तरह की अनगिनत त्रासदियां हुई हैं, हालांकि उनमें से केवल कुछ ने ही देश का ध्यान आकर्षित किया है।' राष्ट्रपति ने कहा कि 'क्या हमने अपने सबक सीखे? जैसे—जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएं सामाजिक स्मृति के गहरे और दुर्गम कोने में दब गईं, जिन्हें केवल तभी याद किया जाता है जब कोई और जघन्य अपराध होता है।'

इसमें कोई दो राय नहीं है कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की यौन हिंसा के बाद हुई हत्या ने एक बार फिर साबित किया है कि देश में कामकाजी महिलाओं के लिये कार्यस्थल पर परिस्थितियां कितनी असुरक्षित हैं। वह भी इतनी भयावह कि कार्यस्थल पर ही प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के साथ यह सब वीभत्स घट जाता है। निश्चित रूप से कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न मानव अधिकारों का सरासर उल्लंघन ही है। कार्यस्थल पर महिलाओं के लिये सुरक्षा अनुकूल वातावरण बनाने के मद्देनजर विशाखा दिशा—निर्देश जारी करने के सत्ताईस साल बाद अब सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकारों को डॉक्टरों की सुरक्षा को संस्थागत बनाने के लिए तुरंत कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

वहीं दूसरी ओर देश की सर्वोच्च अदालत के निर्देश के अनुपालन हेतु गठित एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स को चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा, महिला चिकित्सकों के लिये अनुकूल कामकाजी परिस्थितियां बनाने तथा उनके हितों की रक्षा के लिये प्रभावी सिफारिशें तैयार करने का काम सौंपा गया है। विश्वास किया जाना चाहिए कि ये सिफारिशें यदि जमीनी स्तर पर भी प्रभावी साबित हुईं तो किसी भी पेशे में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा के लिये असरकारी साबित होंगी। लेकिन यह तभी संभव है जब सभी हितधारक एक स्तर पर एकजुट होकर इस दिशा में काम करेंगे।

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद देश में कोलकाता कांड में भी उसी तरह की तल्ख प्रतिक्रिया सामने आई है। जिसके बाद आवश्यकता महसूस की गई कि ऐसे क्रूर अपराधियों को सख्त से सख्त सजा देने वाले कानून लाये जाएं। कालांतर देश में यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम अस्तित्व में आया। दरअसल, महिलाओं के लिये सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने के प्राथमिक उद्देश्य के साथ ही विशाखा दिशा—निर्देशों के विस्तार के रूप में इसे अधिनियमित किया गया। यहां उल्लेखनीय है कि पिछले साल, देश की शीर्ष अदालत ने इस अधिनियम के क्रियान्वयन के संबंध में गंभीर खामियों की ओर इशारा किया था। साथ ही इससे जुड़ी अनिश्चितताओं की ओर भी संकेत दिया था।

इसके उदाहरण के रूप में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये केंद्र सरकार द्वारा स्थापित निर्भया फंड अक्सर नकारात्मक कारणों से सुर्खियों में रहा है। जिसमें आवंटित धन का पर्याप्त रूप में उपयोग न करना या फिर इस आवंटित धन का दुरुपयोग होना शामिल है। करीब एक दशक में देश के विभिन्न राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों के लिये महिला सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये आवंटित धनराशि का लगभग छिहत्तर फीसदी धन ही खर्च हो पाया है। निश्चित रूप से महिला सुरक्षा की ऐसी चुनौतियों के बीच कम धन का खर्च होना एक विडंबना ही कही जाएगी। वहीं इस दौरान देश में दर्ज किये गए बलात्कार के मामलों की संख्या में केवल नौ फीसदी की ही गिरावट दर्ज की गई है।

राष्ट्रपति ने लेख में लिखा है कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों के लिए कुछ लोगों द्वारा महिलाओं को वस्तु के रूप में पेश करने की यही मानसिकता जिम्मेदार है। यह भावना ऐसे लोगों के दिमाग में गहराई से बैठी हुई है। मैं यहां यह भी कहना चाहूंगी कि... अफसोस की बात है कि यह केवल भारत में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में है। एक से दूसरी जगह के बीच का अंतर अपराध की प्रकृति के बजाय उसके स्तर का होता है। इस प्रकार की मानसिकता का मुकाबला राज्य और समाज दोनों को करना है। भारत में, इतने सालों में, दोनों ने इस गलत नजरिए में बदलाव के लिए कड़ा संघर्ष किया है। कानून बनाए गए और सामाजिक अभियान चलाए गए। लेकिन इसके बावजूद कुछ ऐसा है जो लगातार हमारे रास्ते की बाधा बना हुआ है और हमें परेशान करता है।

राष्ट्रपति ने अपने लेख के लिखा है, मेरा यह दृढ़ मत है कि हमें इस तरह के अपराधों की स्मृतियों पर भूल का परदा नहीं पड़ने देना चाहिए। आइए, इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटें ताकि इसे शुरू में ही रोका जा सके। हम ऐसा तभी कर सकते हैं जब हम पीड़ितों की यादों का सम्मान करें और उन्हें याद करने की एक सामाजिक संस्कृति विकसित करें ताकि हमें अतीत की अपनी विफलताएं याद रहें तथा हम भविष्य में और अधिक सतर्क रहें। अपनी बेटियों के प्रति यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम उनके भय से मुक्ति पाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर करें। तभी हम सब मिलकर अगले रक्षाबंधन पर उन बच्चों के मासूम सवालों का दृढ़ता से उत्तर दे सकेंगे। आइये! हम सब मिलकर कहें कि बस, बहुत हो चुका!

निश्चित रूप से महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शुरू की जाने वाली किसी भी नई पहल पर इन तमाम गंभीर तथ्यों को ध्यान में रखना बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति की चिंता भी यह बताती है कि देश में महिलाओं के विरूद्ध अपराध और हिंसा के मामलों में बढ़ौत्तरी हुई है। इसमें दो राय नहीं कि महिलाओं की सुरक्षा और कार्यबल में उनकी बड़ी भागीदारी तब तक अधूरी कही जाएगी, जब तक हम न केवल अपराधियों के खिलाफ बल्कि उन अधिकारियों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई नहीं करते, जो अपने कर्तव्य पालन में लापरवाही के लिये दोषी पाये जाते हैं। सही मायनों में कानून बनाने और दिशा—निर्देश जारी करने से ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका अनुपालन कितने पारदर्शी व संवेदनशील दृष्टि से किया जाता है। साथ ही विगत के अनुभवों से भी सबक लेकर आगे बढ़ने की जरूरत है।

कैसे रुके अन्न की बर्बादी

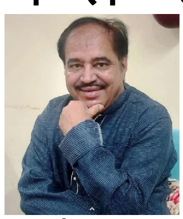

—संजीव ठाकुर—

मनुष्य,जानवर,पशु—पक्षी यहां तक पेड़ पौधों और जलचर भूख की नैसर्गिक प्राकृतिक प्रक्रिया के सच से गुजर रहे हैं। दुनिया का संघर्ष ही इस भूख को मिटाने हेतु ही कायम हैस प्राकृति की संरचना ही इस क्षुदा की निरंतर पूर्ति के लिए प्रयासरत है। संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2024 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित रह जाता हैस संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया ,टीबी और करोना 2023 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए है स संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 140 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक प्रभावित गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैंस संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2021 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख टन खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ है। जिनमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55:, होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24: तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24: भोजन बर्बाद हुआ हैस पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैंस बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता हैस भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो ,अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो ,श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता है। भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही है। पूरे विश्व स्तर पर विकसित विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बर्बादी करते आ रहे हैं। एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील ,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ—साथ अन्न की निर्मम बर्बादी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है की कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बर्बादी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है,। भोजन की इस तरह बर्बादी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे केवल अनाज की बर्बादी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल ,पोषक तत्वों की बर्बादी होती है। अलावा इसको पैदा करने वाले किसानों को भी एक तरह निराशा का सामना करना पड़ता है अनाज उत्पादन के लिए जितनी मेहनत मशक्कत किसान करता है उसके अलावा खेती की जमीन बढ़ाने के लिए वनों का विनाश भी बड़ी तेजी से हो रहा है एवं उस जमीन की उर्वरा शक्ति का भी निरंतर क्षरण हो रहा है ।लगातार रसायनिक खादों रासायनिक तत्वों के उपयोग के कारण मिट्टी की गुणवत्ता तो खराब हो ही रही है। इसके अलावा पर्यावरण एवं वातावरण भी खराब होता जा रहा है एवं खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट छोड़ने से जानवरों की खाने से जानवरों को भी जीवन का खतरा बनते जा रहा है। इससे अन्य संक्रामक बीमारियां भी फैलने का खतरा बढ़ने लगा है। अनाज को अपशिष्ट के रूप में बर्बाद करने से न सिर्फ अनाज बर्बाद होता है बल्कि किसान की मेहनत जमीन का क्षरण उसमें लगने वाली सिंचाई के लिए पानी की बर्बादी एवं समय का दुरुपयोग भी माना जाता है। हमारे द्वारा जो भोजन का अपशिष्ट पदार्थ कूड़ेदान में छोड़ दिया जाता है उसकी वजह से वैश्विक अनुसंधान से यह बताया गया है की ग्रीन हाउस गैस ने 10 से 15: तक का इजाफा होता है खराब पदार्थों से गैस उत्सर्जन के कारण वैश्विक स्तर पर ग्लोबल वार्मिंग का भी खतरा दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। पदार्थ को छोड़ने से वातावरण दूषित होता है एवं संक्रामक बीमारियां न सिर्फ जानवरों में बल्कि इंसानों में भी तेजी से फैलने लगती है एवं इंसान की मौत तक होने लगी है। संयुक्त राष्ट्र संघ की ताजा रिपोर्ट के अनुसार यदि भोजन के अपशिष्ट पदार्थ इसी तरह थोड़े जाएंगे तो कार्बन डाइऑक्साइड के उत्सर्जन से मानव जीवन के लिए बहुत बड़ा खतरा बढ़ सकता है एवं मनुष्य घुट घुट कर जीने के लिए मजबूर हो सकता है। भारत विशेष के संदर्भ में यह केवल देश के नागरिकों को ही सलाह दी जा सकती है कि वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा गरीबी वाले देश में अनाज एवं भोजन की बर्बादी से बचें जिससे अनाज का सदुपयोग भूखे तथा जरूरतमंदों को मुहैया कराया जा सके एवं अपशिष्ट पदार्थों छोड़ने से ग्लोबल वार्मिंग तथा हानिकारक संक्रमण से बचा जा सकेगा।

एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान छेड़ कर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील ,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ—साथ अन्न की निर्मम बर्बादी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।

असंगठित क्षेत्र को पेंशन का प्रश्न

—आर.के. सिन्हा—

सरकार ने हाल ही में एकीकृत पेंशन योजना यानी यूनीफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) को लागू करने की अंततः घोषणा कर ही दी। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस अटूट प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो देश भर में सेवानिवृत्त सरकारी कर्मियों के हितों की रक्षा करती है। नई पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 से लागू होगी। इससे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद निश्चित पेंशन मिलेगी। इसकी रकम सेवानिवृत्ति से पहले के 12 महीने के औसत मूल वेतन का 50 फीसदी होगी। 25 वर्ष तक की सेवा पर ही यह रकम मिल सकेगी। 25 वर्ष से कम और 10 साल से ज्यादा की सेवा पर उसके अनुपात में भी पेंशन मिलेगी। किसी भी कर्मचारी के निधन से पहले पेंशन की कुल रकम का 60 फीसदी हिस्सा परिवार को मिलेगा।

दरअसल नई पेंशन योजना के लागू होने से सरकारी बाबुओं को बहुत बड़ी दीर्घकालिक आर्थिक स्थिरता मिलेगी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों की नई पेंशन योजना (एनपीएस) में सुधार की लंबे समय से मांग की जा रही थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अप्रैल 2023 में टीवी सोमनाथन के नेतृत्व में इस पर एक समिति का गठन भी किया था। जेसीएम (संयुक्त सलाहकार तंत्र) सहित व्यापक परामर्श और चर्चा के बाद समिति ने एकीकृत पेंशन योजना की सिफारिश की थी।

भारत में, वृद्धावस्था में वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पेंशन सबसे महत्वपूर्ण साधन है। यह न केवल कर्मचारियों को काम करने के बाद जीवन स्तर बनाए रखने में मदद करता है, बल्कि य सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बाकी जीवन परिवार और समाज में , यहाँ तक कि अपने बच्चों की नजर सम्मानपूर्वक बिताने का जरिया देता है ।जब कर्मचारी सेवानिवृत्त होते हैं, तो उनके आमदनी का स्रोत अचानक खत्म हो जाता है। पेंशन, भले ही सेवा के दौरान प्राप्त होने वाली आय से आधी हो , एक नियमित आय तो प्रदान करता ही है, जो उन्हें आवश्यक खर्च जैसे भोजन, स्वास्थ्य सेवा, और आवास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराता है। इससे वित्तीय अनिश्चितता के खतरे को बहुत हद तक कम किया जा सकता है।

अटल बिहारी वाजपेयी सरकार ने 2004 में राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) शुरू की थी। उसमें कर्मचारियों और सरकार दोनों ने कर्मचारी के मूल वेतन और महंगाई भत्ते (डीए) का 10: योगदान सेवानिवृत्ति निधि में दान किया। इस फंड को बाजार—जुड़े साधनों के मिश्रण में निवेश किया गया था, और रिटर्न में प्राप्त आय से पेंशन राशि का निर्धारण किया। हालाँकि , इस प्रणाली ने बहुत आवश्यक वित्तीय अनुशासन भी लाया और सरकार की बिना फंड वाली पेंशन देनदारियों को कम किया। लेकिन , उसने सेवानिवृत्त लोगों के लिए अनिश्चितता भी पैदा की, क्योंकि पेंशन बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर थी। उदाहरण के लिए, बाजार में गिरावट के दौरान, सेवानिवृत्त लोगों ने कम रिटर्न देखा, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा के बारे में चिंताएं बढ़ीं। एक बात जान लें कि नई पेंशन का राज्य सरकार के कर्मचारियों को भी लाभ मिलेगा यदि कोई राज्य सरकार इसे लागू करना चाहती हैं तो।

कांग्रेस का एनपीएस पर रुख सदैव अस्पष्ट रहा और लगातार बदलता भी रहा। शुरू में, कांग्रेस ने एनपीएस की सराहना की। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने इसे एक बेहतर पेंशन मॉडल बताया। हालांकि, बाद में कांग्रेस ने इसकी कमियां निकालनी शुरू कर दीं , मात्र अपने सियासी स्वार्थों के कारण। पुरानी पेंशन योजना को खत्म करने के लिए केंद्र की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा था। केंद्र से लेकर राज्यों के भी सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन स्कीम को वापस लाने की मांग करते ही रहे थे। राजस्थान में जब कांग्रेस की सरकार थी तो उन्होंने पुरानी पेंशन को लागू किया था, जोकि आज तक लागू है। हिमाचल प्रदेश में भी पुरानी पेंशन योजना को लागू किया जा चुका है। अब एकीकृत पेंशन योजना पर मोहर लग गई है।

प्रभारी मंत्री ने अफसरों के साथ की बैठक, हमलों से सुरक्षा के लिए की गई तैयारियों पर की चर्चा

संवाददाता–बहराइच। जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने जिले में पहुंचकर एमएलसी डॉ. प्रज्ञा त्रिपाठी व विधायक नानपारा राम निवास वर्मा की मौजूदगी में जिलाधिकारी मोनिका रानी, पुलिस अधीक्षक बृन्दा त्रिपाठी, जिला पंचायत राज अधिकारी राघवेन्द्र द्विवेदी, एसडीओ वन नानपारा अशोक कुमार व अन्य अधिकारियों के साथ तहसील महसी अन्तर्गत हिंसक वन्यजीवों के कारण उत्पन्न परिस्थियों के दृष्टिगत स्थानीय ग्रामवासियों की प्रभावी सुरक्षा के लिए की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की। बैठक के दौरान डीएम मोनिका रानी ने बताया कि हिंसक भेड़िया के हमले से प्रभावित क्षेत्रों में क्रिटिकल गैप योजना के अन्तर्गत 40 स्थानों पर सोलर स्ट्रीट लाईट तथा 10 स्थानों पर सोलर हाईमास्ट लाईट की स्थापना उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण द्वारा स्वीकृत दरों एवं मानक के आधार पर कराई जा रही है। प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को शौच के लिए घर से बाहर न जाना पड़े इसके लिए पंचायती राज विभाग के माध्यम से शौचालय विहीन घरों को स्वच्छ शौचालय योजना से आच्छादित किया जा रहा है। दरवाजाविहीन घरों में बहराइच वन प्रभाग के सहयोग से दरवाजे लगवाये जा रहे हैं ताकि कोई भी जीव बेरोक टोक घरों में प्रवेश न कर सके। प्रभावित क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर जन–जागरूकता कार्यक्रम के तहत वाहनों पर ध्वनिविस्तारक यंत्र के माध्यम से लोगों को सुरक्षा अपनाने, बाहर न सोने की बाबत आगाह किया जा रहा है। हिंसक भेडिया के हमले से प्रभावित क्षेत्रों में प्रभाग एवं उच्च स्तर से गठित गश्ती दलों द्वारा राउण्ड–द–क्लाक गश्त कर चौकसी की जा रही है। गश्ती दल डोर–टू–डोर जाकर लोगों को सावधानी बरतने का सुझाव दे रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय नागरिक भी टोलियां बनाकर निगरानी कर रहे हैं। हिंसक जानवरों को मानव बस्ती से दूर रखने के लिए पटाखों का भी सहारा लिया जा रहा है।

डीएम ने बताया कि हिंसक भेड़ियों की सही लोकेशन जानने हेतु गश्ती दलों द्वारा फुटप्रिन्ट खोजने के साथ–साथ आसमानों से भी ड्रोन एवं थर्मल ड्रोन कैमरों के माध्यम से सर्च आपरेशन संचालित किया जा रहा है। ग्रामवासियों का व्हाट्सएस ग्रुप बनाकर सूचनाओं का आदान–प्रदान किया जा रहा है। प्रभावित क्षेत्रों में संवेदनशील स्थलों पर आठ ट्रैपिंग कैमरों के साथ–साथ सभी संभावित स्थानों पर पिजड़े भी लगाये गये हैं। वन विभाग की सक्रियता एवं अथक प्रयास के फलस्वरूप एक माह के अन्दर चार भेड़ियों को पकड़ा भी जा चुका है साथ ही हिंसक भेड़ियो के हमले से हुई जनहानि के फलस्वरूप पांच मृतकों के हिताधिकारियों के खातों में अहैतुक सहायता (जनहानि) के रूप में पांच–पांच लाख रूपये की आर्थिक सहायता भेजी जा चुकी है। डीएम ने बताया कि हिंसक वन्य जीव भेड़िया के हमलों पर प्रभावी अकंश के उद्देश्य से क्षेत्र के ग्राम प्रधानों, सचिवों, कोटेदारों, रोजगार सेवकों व अन्य के साथ आयोजित बैठक के दौरान ग्राम प्रधानों को निर्देश दिया कि अपने–अपने ग्राम पंचायतों में टोलियों का गठन कर उनसे तीन से चार घंटे की शिफ्टों में पहरेदारी कराई जाए। ग्राम प्रधान ग्रामवासियों को इस बात के लिए जागरूक करें कि खुले स्थानों विशेषकर खेतों से सटे हुए क्षेत्रों में एवं खुले स्थान पर न सोएं तथा अपने बच्चों को बाहर कदापि न सोने दें।

भेड़िया प्रभावित गांवों के ग्रामीणों से बातचीत के दौरान वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ घटना को लेकर बेहद संवेदनशील हैं। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त करते हुए संदेश दिया है कि सरकार, शासन व प्रशासन पीड़ितों के साथ है। पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। वन मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर मैं स्वयं जिला भ्रमण पर आया हूं।

आतंक पर्याय बना खूंखार भेड़िया पिजड़े में हुआ कैद

संवाददाता–बहराइच। माहसी तहसील इलाके में आतंक का पर्याय बने एक भेड़िए को पिंजरे में कैद करने में वन विभाग सफल रहा। इलाके में भेड़िए के हमले से अब तक महिला समेत नौ की जान चुकी हैं। कोलैला गांव के पास तीनों भेड़ियों के देर रात देखे जाने के बाद वन विभाग और सक्रिय हुआ था।

वन क्षेत्राधिकारी दीपक सिंह ने बताया कि महसी के सिसैया चूड़ामणि के कोलैला गांव में जाल और पिंजरा लगाया गया था। गुरुवार को सुबह 11.10 बजे भेड़िया जाल में कैद हो गया। इसके बाद उसे पिंजड़े में बंद कर रेंज कार्यालय लाया जा रहा है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। भेड़िया पकड़े जाने की सूचना पर काफी भीड़ एकत्रित हो गई। वन क्षेत्राधिकारी ने बताया कि पकड़ा गया भेड़िया नर है, उसकी उम्र पांच वर्ष के करीब है। जिलाधिकारी मोनिका रानी व पुलिस अधीक्षक वृदा शुक्ला ने डीएफओ आकाश दीप बधावन को सर्च अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही मौके पर मौजूद एसडीएम अखिलेश कुमार सिंह बीडीओ हेमंत कुमार यादव, सीओ रूपेंद्र गौड़ को विशेष सतर्कता बरतने व ग्रामीणों को खुले में न सोने के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए हैं। भेड़िए के हमलों की अब तक की घटनाओं में आठ मासूम बच्चों की जान जा चुकी है। महिला की मौत का मामला भी सामने आ चुका है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि खूनी भेड़िए बच्चों को ही नहीं बल्कि किसी को भी अपना शिकार बना सकते हैं। अभी अन्य भेड़िए होने की आशंका से इलाके में दहशत बरकरार है।

धर्मांतरण रोकना यात्रा का उद्देश्य –दास

संवाददाता– महराजगंज। मध्य प्रदेश के झाबुआ से आदिवासियों की निकली रथ यात्रा अयोध्या होते हुए महराजगंज के घुघली पहुंची। विश्व हिन्दू महासंघ के जिला प्रभारी व जोगिया मठ के महंत बालक दास के नेतृत्व में पहुंची रथ यात्रा का जोरदार स्वागत किया गया। 26 अगस्त को झाबुआ से निकली रथ यात्रा मेघनगर, झांसी व अयोध्या होते हुए यहां पहुंची है। यहां से ठूठीबारी होते हुए रथयात्री नेपाल के काठमांडू जाएंगे। यात्रा का उद्देश्य आदिवासियों के धर्मांतरण को रोकने और उन्हें धर्मस्थलों के दर्शन कराने की है। रथ यात्रा लेकर पहुंचे बाबा बालक दास ने कहा कि हिन्दू आदिवासी समाज के लोगों को गुमराह कर उनका धर्मांतरण कराने का प्रयास हो रहा है। इसे किसी भी दशा में होने नहीं दिया जाएगा। आजाद कृष्णा परिवार के 16 वीं रथ यात्रा के संस्थापक राजेश यादव ने बताया कि आदिवासियों को हिंदू तीर्थ स्थलों का दर्शन कराना व हिंदुत्व की रक्षा करना इसका प्रमुख उद्देश्य है। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि संस्कृत की रक्षा करना ही हम सभी का प्रमुख उद्देश्य है। राष्ट्रीय महासचिव गौरव यादव ने बताया कि रथ यात्रा अपने उद्देश्य में सफल हो रही है।

एसडीएम के खिलाफ अधिवक्ताओं ने की अनिश्चितकालीन हड़ताल

संवाददाता–श्रावस्ती। जमुनहा एसडीएम के खिलाफ अधिवक्ता संघ जमुनहा की ओर से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। इसके साथ ही एसडीएम के स्थानांतरण करने की मांग संबंधी पत्र जिलाधिकारी को भेजा है। जमुनहा एसडीएम के काम से असंतुष्ट जमुनहा अधिवक्ता संघ ने अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दिया है। तहसील जमुनहा अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष अजय कुमार पांडेय व महामंत्री हरीश यादव ने बताया कि एसडीएम की ओर से फाइलों को बिना सुने खारिज कर दिया जा रहा है। इसके लिए 22 अगस्त से हड़ताल की जा रही थी लेकिन डीएम ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था। इसलिए एसडीएम कोर्ट का बहिष्कार स्थगित कर दिया गया था लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं किया गया है। इसलिए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि जब तक एसडीएम का स्थानांतरण नहीं होगा तब तक हड़ताल जारी रहेगी। इस मौके पर अधिवक्ता सत्यनारायण यादव, जेके भारती, ओम प्रकाश सोनकर,अरविंद यादव, दिनेश प्रताप वर्मा,नारेंद्र प्रताप वर्मा, प्रकाश मौर्य, शुभकरन शर्मा, लक्ष्मण सोनकर, मोहित कुमार, दिनेश कुमार वर्मा,दीपांशु त्रिपाठी ,लाडिला प्रसाद पांडेय,जगत पाल यादव आदि मौजूद रहे। अधिवक्ताओं ने एसडीएम हटाओ का नारा लगाया।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से दो मासूम बच्चों की मौत, माता–पिता की हालत गंभीर

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा–हुजूरपुर मार्ग पर गड़रियन पुरवा गांव के पास ट्रैक्टर–ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार दंपति व उनके दोनों बच्चे घायल हो गए। सभी को अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सक ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। बहराइच फखरपुर के पोस्ट बदरौली ग्राम मेथौरा के रहने वाले आलोक उर्फ पिंकू सिंह बाइक से अपनी पत्नी सुमन सिंह व दो बच्चे शिवांश सिंह(तीन साल) व बिटिया आराध्या(डेढ़ साल) को लेकर कर्नलगंज कोतवाली के काशीपुर गांव निवासी श्याम नारायण सिंह के यहां सास को देखने आ रहे थे। रास्ते में हुजूरपुर मार्ग पर बरखंडी नाथ मंदिर के समीप गड़रियन पुरवा गांव के पास ट्रैक्टर ट्राली के चपेट में आ गए। दुर्घटना देख आसपास के लोग इकट्ठा हुए।

एंबुलेंस को फोन मिलाया, लेकिन वह मौके पर नहीं पहुंची। इसी बीच बैटरी रिक्शा चालक बसालतपुर निवासी ने घायलों को देख रिक्शे में बैठी सवारियां उतारकर सभी को सामुदायिक अस्पताल की तरफ लेकर भागा ,लेकिन रेलवे क्रासिंग बंद थी। बच्चों की स्थिति नाजुक देख वह रिक्शे को किनारे लगा कर पैदल ही बच्चों को लेकर अस्पताल पहुंचा। जहां चिकित्सक ने दोनों बच्चों को मृत घोषित कर दिया। कुछ देर बाद अस्पताल पहुंचे पति पत्नी का प्राथमिक उपचार कर उन्हें मेडिकल कालेज गोंडा रेफर कर दिया। पिता बिटिया को सीने से लगाए रहा यह मानकर की वह जिंदा है तो वहीं मां बेटे के चोटिल चेहरे को देख देख कर फूट फूट कर रोती रही। चिकित्सक ने जब मासूमों को माता पिता से अलग किया तो दोनों व्याकुल हो गए। इनको रोता देख अस्पताल में मौजूद लोग भी गमगीन हो गए। वहां इलाज के लिए खड़े लोगों के आंखों से आंसू निकल आए। पति को सिर में व पत्नी को भी अंदरूनी चोट लगी है। कोतवाल श्रीधर पाठक ने बताया कि दोनों बच्चों की मौत हुई है। तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया गया है।

चार दिन में दो भाईयों की उल्टी दस्त से मौत, परिवार में मचा कोहराम, तीसरा भी पीड़ित

संवाददाता–श्रावस्ती। श्रावस्ती के तुलसीपुर में तराई में उल्टी दस्त जानलेवा ना हुआ है। विगत चार दिनों में जमुनहा के ददौरा में दो भाईयों की मौत हो चुकी है जबकि छोटा भाई भी पीड़ित है। जिला अस्पताल में बृहस्पविार छह नए मरीजों को भर्ती कराया गया जिनका इलाज चल रहा है।

जमुनहा क्षेत्र के ग्राम ददौरा निवासी सतीश कुमार विश्वकर्मा के तीन पुत्र थे। इसमें से बड़े पुत्र अंकुश (7) को सोमवार उल्टी दस्त की शिकायत हुई जिसकी बहराइच ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। वहीं, दूसरे पुत्र अभय (5) को मंगलवार उल्टी दस्त की शिकायत के बाद जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया गया। हालत में सुधार न होने पर उसे एक निजी अस्पताल में ले जाया गया। जहां बृहस्पतिवार सुबह अभय की मौत हो गई। वहीं, सबसे छोटे बेटे मंजेश (3) को भी उल्टी दस्त की शिकायत के बाद जिला अस्पताल बहराइच भर्ती कराया गया था। जहां उसकी हालत में सुधार के बाद घर लाया गया है। दो बच्चों की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा में नगर के ही मोहल्ला कोट रियासत निवासी ममता सिंह (55), खलवा बाजार निवासी श्यामू (35), रमवापुर निवासी मोहिनी (60), किढिहावन पुरवा निवासी ज्ञानवती (65), रजगढ़वा निवासी मीरा देवी (32) व सिरसिया के टिटिहिरिया निवासी अनीता देवी (20) को उल्टी दस्त की शिकायत के बाद संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उनका इलाज चल रहा है। वहीं, इस बारे में सीएमओ डा. एपी सिंह का कहना है कि प्रभावित गांव में चिकित्सकों की टीम भेज कर जांच कराई जाएगी।

रामा दल ट्रस्ट के सदस्यों ने जंतर मंतर पहुंचकर सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।रामादल ट्रस्ट के तत्वाधान में बंगाल राज्य सरकार बर्खास्त कर राष्ट्रहित मे राष्ट्रपति शासन एवं रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों को बलपूर्वक भारत की सीमा से बाहर निकालने की मांग करते हुए 27दिवसीय मौन अनशन के बाद पूर्व घोषणा के अनुसार रामादल का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली के जंतर मंतर पहुंचकर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करते हुए महामहिम राष्ट्रपति महोदया और माननीय प्रधानमंत्रीजी को सम्बोधित ज्ञापन दिया गया। जानकारी देते हुए रामादल अध्यक्ष पण्डित कल्कि राम ने बताया कि सनातन समाज और मानवता के लिए नरक बन चुके बंगाल राज्य के गौरवशाली इतिहास को कलंकित करने वाली मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के पाप का घड़ा अब भर गया है जो किसी भी समय फूट सकता है। अपने ही राज्य की हिंसक घटनाओं को लेकर धरना प्रदर्शन करना यह सिद्ध करता है कि बंगाल राज्य की मुख्यमंत्री ने रोहिंग्या बांग्लादेशी आतंकियों के समक्ष आत्म समर्पण कर दिया है।

परमात्मा भक्तों के भाव पर प्रकट होते है –महंत गणेश दास

भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।श्री राम नगरी के जानकी घाट स्थित श्री राम हर्षणम में श्री रामकृष्ण सेवा मंडल जयपुर द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीरामकथा में तृतीय दिवस की बेला पर श्री अवधा बिहारी कुंज पीठाधीश्वर याज्ञिक सम्राट श्री महंत श्री श्री 1008 गणेश दास लश्करी महाराज ने व्यास पीठ से जैसे ही भए प्रगट कृपाला दीन दयाला कौशल्या हितकारी का गान किया परिसर में उपस्थित संत महंत श्रद्धालु भक्तगण, प्रेम मई गंगा के आनंद में हिलोरे लेते हुए झूमने लगे पूरा वातावरण जन्म मत हो गया और ऐसा पति हो रहा था कि त्रेता युग की नवमी तिथि आज ही हो और पूरा श्रीराम हर्षणम राम मय हो गया। इसके पूर्व श्री महाराज जी ने बताया कि गोस्वामी तुलसीदास जी महाराज भगवान के जन्म के चार कारण बताएं और उन्होंने कहा कि पार्वती को श्रीराम कथा सुनाते हुए शिवजी कहते हैं कि जब–जब धर्म की हानि होती है और नीच अभिमानी राक्षस बढ़ जाते हैं, वे कई तरह की अनीति करते हैं, ब्राह्मण, गो, देवता और पृथ्वी वासियों को कष्ट देते हैं, तब–तब वे कृपानिधान प्रभु भांति–भांति के शरीर धारण कर सज्जनों की पीड़ा हरते हैं,वे असुरों को मारकर सत्य को स्थापित करते हैं,वेदों की मर्यादा की रक्षा करते है और श्री रामचन्द्रजी के अवतार का यही कारण है। श्री महाराज जी ने बताया कि भगवान श्री राम के जन्म के कारण में नारद जी का श्राप और मनु शतरूपा का भगवान को प्राप्त करने के लिए घोर तपस्या भी है,यद्यपि परमात्मा के आने के मुख्य कारण तो भक्त है। भगवान भक्तों के लिए धरा धाम पर पधारते है और ब्रह्म का सरलीकरण इस अयोध्या में ही हुआ है जो असीम ब्रह्म माता कौशल्या के गोद में आ करके छोटा हो गया। उन्होंने बताया कि महाराज दशरथ जी एक दिन बहुत ग्लानि में थे गुरुदेव के पास जाकर उनकी चिंता मिट गई और श्रृंगी ऋषि ने यज्ञ कराया और प्रसाद रानियों में बटवा दिया जिसके परिणामस्वरूप निर्गुण ब्रह्म सगुण साकार बनकर अयोध्या के इस पावन दिव्य धाम में प्रकट हुए। मूलतः परमात्मा भक्तों के भाव के लिए प्रकट होता है। जब भाव उदित हो जाते हैं तब परमात्मा का प्राकट्य हो जाता है। कथा में भगवान का भाव जन्मोत्सव मनाया गया और कथा के विश्राम बेला पर मुख्य यजमान ओम प्रकाश ताम्बी, राधेश्याम आकड़ रामजीलाल रावत, रामबाबू रावत प्रहलाद रावत भंवरलाल राजोरिया कृष्ण मुरारी कूलवाल रवि रावत सहित अन्य लोगों ने आरती उतारी और प्रसाद वितरण किया गया।

अयोध्या में ठाकुर जी की सेवा कर गदगद हुए काशी के लोग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। शिव द्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि स्वप्नहु नहिं पावा, भगवान श्री राम और राम नाम में अपने को समाहित करने वाले आदि देव महादेव के इस प्रेम को वर्तमान समय में काशी से आए जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी नारायणाचार्य डॉ निर्मल स्वामी अयोध्या के परिक्रमा मार्ग स्थित द्वारकाधीश मंदिर में परिलक्षित कर रहे हैं। भगवान श्री राम के जन्मोत्सव के बाद अयोध्या का सबसे आनंदमई महोत्सव झूलनोत्सव महोत्सव होता है और यह पूरे 15 दिन तक चलता है डॉ निर्मल स्वामी इस दौरान अपने मधुर संगीत से अयोध्या के संतो महंतों को ही नहीं बल्कि देश के कोने–कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को भी मंत्र मुक्त कर रहे थे। रामनगरी में भगवान कृष्ण के जन्मोत्सव को मनाने के बाद वह काशी के लिए रवाना हुए।

डॉ स्वामी वाराणसी घराना की राग मलकोश शैली में जैज वंती , मेघमल्हार इत्यादि कई रागों में झूला गीत गा कर सभी का दिल जीत लिया, झूला झूल रहे भगवान नंद जी के अंगना में.... राग मेघमल्हार बरसन लागे बदरा रुमझुम रुमझुम.... हरे रामा रिमझिम बरसे पनिया झूले राजा रनिया रे हरि.... जैसे गीतों से सबको आनंदित किया। उन्होंने बताया कि कोसलेश सदन, बैकुंठ धाम और द्वारकाधीश मंदिर के साथ कई स्थान पर वाराणसी घराने की प्रसिद्ध ठुमरी की भी प्रस्तुति हुई जिसमें जगत गुरु रमानुजाचार्य स्वामी विद्याभास्कर जी महाराज, जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी सूर्यनारायणाचार्य और जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्याम नारायणाचार्य महाराज के साथ अन्य संतों का भी सानिध्य प्राप्त हुआ।

आज हड़ताल पर रहेंगे अधिवक्ता

संवाददाता–कुशीनगर। कुशीनगर जनपद के सभी अधिवक्ता 30 अगस्त को हड़ताल पर रहेंगे। यह जानकारी जनपद सिविल कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष गोपालजी तिवारी ने दी है।उन्होंने बताया है कि सुप्रीम कोर्ट तथा उच्च न्यायालय द्वारा अधिवक्ताओं की हड़ताल पर जो रोक लगाने का आदेश जारी किया है, वह अधिवक्ताओं के मौलिक अधिकारों पर हमला है। एक तरफ अधिवक्ताओं पर हमले हो रहे हैं, अधिवक्ताओं का अनेंक प्रकार से उत्पीड़न किया जा रहा है और उनकी सुरक्षा के लिए प्रस्तावित एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लंबे समय से ठंडे बस्ते में रखा गया है, तो दूसरी तरफ अधिवक्ताओं के मिले संवैधानिक अधिकार को भी छीना जा रहा है। हड़ताल अधिवक्ता जरूरी होने पर ही करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बार काउंसिल से संचालित होने वाले अधिवक्ता संघ पूरी तरह स्वतंत्र हैं।

विकसित भारत के लिए छात्रों की जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण, -आनंदीबेन पटेल

संवाददाता–गोरखपुर। राज्यपाल और कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश के छह राज्य विश्वविद्यालयों ने नैक मूल्यांकन में ए प्लस प्लस ग्रेड हासिल किया है। चार विश्वविद्यालयों ने नैक मूल्यांकन में ए प्लस ग्रेड हासिल किया है। आज से साढ़े तीन साल पहले एमएमएमयूटी नैक मूल्यांकन में ए ग्रेड हासिल करने वाला उत्तर प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय बना था। इसके अलावा यूजीसी ने उत्तर प्रदेश के चार विश्वविद्यालयों को केटेगरी –1 में शामिल किया है। उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने पहले नैक मूल्यांकन और अब एनआईआरएफ रैंकिंग में भी टॉप –100 में स्थान बनाया है। अब वर्ल्ड रैंकिंग में स्थान बनाना लक्ष्य है। प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों को अब वर्ल्ड रैंकिंग में लाना है, यह लाकर रहेंगे। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल गुरुवार को मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के 9वें दीक्षांत समारोह को बतौर अध्यक्ष संबोधित कर रही थीं। अपने 35 मिनट के संबोधन में उन्होंने छात्र–शिक्षक, समाज, देश के हर पहलू को छूते हुए देश की प्रगति के लिए समर्पित रहने का आह्ववान किया।

आनंदीबेन ने कहा कि पहले लोग सोचते थे कि उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा में कुछ नहीं हो सकता। प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने का भी विचार नहीं आता था। किसानों से मुलाकात होने पर वे उन्नत तकनीक नहीं होने की बात करते थे। कुलपति, छात्र–शिक्षकों से भी बात होती थी। सभी ने मिलकर वैज्ञानिक तरीके से प्रयास किया। विचार परिवर्तन किया कि ये हो सकता है। उसके बाद न सिर्फ प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया बल्कि सफलता भी प्राप्त की। पूरे देश में करीब 8000 इंजीनियरिंग कॉलेज हैं। उनमें से एमएमएमयूटी ने 84वां स्थान प्राप्त किया। देश में सभी विश्वविद्यालयों के बीच एमएमएमयूटी ने 94वां स्थान हासिल किया। देश में कुल 10585 राज्य विश्वविद्यालयों के बीच एमएमएमयूटी ने 40वां स्थान हासिल किया। सभी ने मिलकर पूरी इच्छाशक्ति से काम किया, उससे यह संभव हुआ।

कुलाधिपति ने कहा कि आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे संस्थान रिसर्च के लिए स्थापित हुए हैं। उनके लिए केंद्र सरकार का बजट बड़ा होता है। राज्य विश्वविद्यालयो को अपने बल पर उपलब्धि हासिल करनी है। आपने करके दिखाया है। डिग्री के बाद अब अंक पत्र भी डिजीलॉकर पर आ गए। अब विदेशों में भी काम कर रहे छात्र–छात्राओं को अपने प्रमाणपत्रों के लिए विश्वविद्यालय नहीं आना होगा। वे वहीं से डाउनलोड कर सकेंगे। एमएमएमयूटी ने समर्थ पोर्टल पर न सिर्फ प्रवेश, परीक्षा परिणाम, डिग्री और सेलरी तक का ब्योरा डाल दिया है। समर्थ से नियमितता और पारदर्शिता आई है।

कुलाधिपति ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लिया है। विकसित भारत के लिए छात्रों की जिम्मेदारी सबसे महत्वपूर्ण है। आपको विकसित भारत बनाना है। आपको ऐसा भारत बनाना है, जहां किसान, मजदूर, महिलाएं, गरीब सभी वर्ग खुशहाल हो। भारत अकेला देश है, जहां युवाओं की संख्या सबसे अधिक है। हमारे पास ताकत है। इस ताकत का उपयोग करने का यह सही समय है। दूसरों की मदद के लिए, किसानों की तरक्की के लिए नए तकनीक विकसित कीजिए। आनंदीबेन पटेल ने कहा कि नौकरी के बारे में मत सोचिए। रोजगार देने वाला बनने क लिए प्रयास कीजिए। आज से 10–15 साल पहले तक महिलाएं घरों से नहीं निकलती थीं। अब स्वयं सहायता समूहों के जरिए महिलाएं भी रोजगार दे रही हैं। यह संकल्प शक्ति से संभव हुआ।

कुलाधिपति ने कहा कि लक्ष्य तय कर वहां पहुंचने का प्रयास करेंगे तो ईश्वर भी आपकी मदद करेंगे। नैक मूल्यांकन में अच्छा प्रदर्शन करने वाले उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों को केंद्र की पीएम उषा योजना के तहत कुल 760 करोड़ रुपये इस वर्ष दिए गए हैं। एनआईआरएफ रैंकिंग में आने की कोशिशों के तहत ही लखनऊ विश्वविद्यालय देश के शीर्ष 100 विश्वविद्यालयों में शामिल हुआ है। बरेली विश्वविद्यालय भी 100–150 के बैंड में एनआईआरएफ में आया है। यह बड़ी उपलब्धि है। कुलाधिपति ने कहा कि आंगनवाड़ी में पढ़ने वाले बच्चे मेरे बहुत प्रिय हैं। गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलेगी, तभी भारत विकसित होगा। सभी का फर्ज है कि कुछ न कुछ बच्चों को देने का प्रयास करें। मैं सबसे ज्यादा ध्यान आंगनबाड़ी को दे रही हूं। एमएमएमयूटी के जरिए भी कुशीनगर जिले के 200 आंगनवाड़ी केंद्रों को किट उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें 100 विश्वविद्यालय ने अपने संसाधन से जुटाए हैं। कुल 100 किट कुशीनगर जिला प्रशासन दे रहा है। उन्होंने मंच से कुशीनगर की 20 आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को किट भी प्रदान किया। कुलाधिपति ने कहा कि इंडस्ट्री की जरूरतें अलग हैं और संस्थानों में कुछ और पढ़ाई होती है। कोई इंडस्ट्री छात्रों को हायर भी करती है तो छात्र वहां से परिपक्व होने के बाद कंपनी बदल देते हैं। इसलिए कंपनियां कैंपस प्लेसमेंट में उतनी रुचि नहीं दिखातीं। शिक्षण संस्थानों को ही अपने विद्यार्थियों को दक्ष करने की जिम्मेदारी उठानी होगी। इंडस्ट्री की जरूरतों के हिसाब से न सिर्फ पाठ्यक्रम संचालित करें, बल्कि तैयार भी करें। कुलाधिपति ने कहा कि सभी छात्र–छात्राओं की सफलता में माता–पिता का भी योगदान है। सफल होने के बाद अपने माता–पिता को कभी न भूलें। हमेशा याद रखें कि वही बिल्डिंग टिकती है, जिसका फाउंडेशन मजबूत होता है। माता–पिता ने आपको जो संस्कार और शिक्षा दी है, हमेशा देश–समाज के हित में उसका उपयोग करें। उन्होंने दहेज की कुप्रथा पर तंज कसते हुए दहेज को त्यागने की अपील की।

राम भक्तों के लिए स्पेशल एम्बुलेंस की शुरुआत, डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने दिखाई हरी झंडी

संवाददाता–अयोध्या। अब रामनगरी अयोध्या में आने वाले श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य से जुड़ी एक विशेष सुविधा मिलने जा रही है। गुरुवार को श्रद्धालुओं के लिए दो एंबुलेंस सेवाओं को हरी झंडी दी गई। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने इन एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाई।

सिक्स सिग्मा नाम की एक स्वयंसेवी संस्था ने इन सेवाओं की शुरुआत की है। यह संस्था तीर्थ क्षेत्र पर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए विशेष रूप से सक्रिय है। हार्ट अटैक से पीड़ित श्रद्धालुओं के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई। इस एंबुलेंस के जरिए मरीज को जीवन रक्षा प्रदान की जाएगी। एडवांस टेक्नोलॉजी पर आधारित इन एंबुलेंस के जरिए हार्ट अटैक से पीड़ित मरीज हायर सेंटर तक सुरक्षित पहुंच पाएगा। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने गुरुवार को तय समय से आधा घंटा देरी पर दोपहर 12:00 बजे कार्यक्रम में पहुंचकर हिस्सा लिया। राम मंदिर के ठीक सामने बिड़ला धर्मशाला के मनोरमा देवी सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने बतौर मुख्य अतिथि इन एंबुलेंस को हरी झंडी दिखाई। लगभग पौने 1:00 बजे हरी झंडी दिखाने के बाद बृजेश पाठक ने हनुमानगढ़ी एवं राम मंदिर जाकर प्रभु श्री राम की पूजा अर्चना की। इस दौरान महापौर गिरीशपति त्रिपाठी ,भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष संजीव सिंह समेत कई अधिकारी एवं नेता उपस्थित थे।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0 1743/2024
धारा 116 भू0रा0अधि0 2006
अदालत– न्यायालय–श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

कमलावती आदि
बनाम
सुभावती आदि

साकिन सिसईकला तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
1. सुभावती पत्नी रामतीरथ 2. चम्पा देवी पत्नी सेवाराम 3. रीता देवी पत्नी मुकेश 4. निशा देवी पत्नी श्रीचन्द 5. मनीषा पुत्रीगण शोहरत 6. विफराजी पत्नी बेचन 7. बेचन पुत्र पाले साकिनान मौजा सिसईकला तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 8. ग्राम प्रधान/अध्यक्ष भू0प्र0स0 ग्राम पंचायत सिसईकला तप्पा असनार परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 11–09–2024

वाजेह हो कि कमलावती ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 11 माह 09 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
न्यायालय–श्रीमान प्रथम अपर सिविल जज (जू0डि0) महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
वाद सं0 161/2020

प्रहलाद
बनाम
अवधराम आदि

1. परसुराम पुत्र तमेसर साकिन सुपौली तप्पा मजोरा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 2. एजाज अहमद पुत्र लियाकत हुसैन साकिन जिगिना तप्पा पटना परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जनपद–संतकबीरनगर 3. सिंगारमती पत्नी सरवन साकिन खेसरहा तप्पा खेसरहा परगना बांसी पूरव 4. माय देवी पत्नी भोला साकिन भानपुर माफी तप्पा पटना परगना बांसी पूरव तहसील मेंहदावल जनपद–संतकबीरनगर 5. आशमा खातून पत्नी अख्तर साह साकिन पचमोहनी तप्पा कुदारन परगना बांसी पूरव सिद्धार्थनगर 6. पट्टू पुत्र नन्दू साकिन सुपौली तप्पा मजोरा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 7. लालमन 8. रामदेव पुत्रगण श्रीराम साकिन सुपौली तप्पा मजोरा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 9. शोहरती पत्नी लुटई साकिन महुईनानकार तप्पा बीसो परगना बांसी पूरव 10. कलीमुल्लाह पुत्र वादुल्लाह साकिन सुपौली तप्पा मजोरा परगना बांसी पूरव तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–09–2024

चूंकि उपरीनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्भित करने के लिये 2024 के माह 09 के 24 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
प्रकीर्ण वाद सं0 198/2023
अदालत–श्रीमान समक्ष मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण महोदय जिला–बस्ती

श्रीमती गीता देवी
बनाम
जमालुद्दीन

1. जमालुद्दीन पुत्र जलालुद्दीन निवासी गौरा पो0 बखिरा थाना बखिरा जनपद–संतकबीरनगर UP14 W9500)
2. नेशनल ई0 क0 लि0 द्वारा शाखा प्रबन्धक नेशनल ई0 क0 लि0 शाखा बस्ती
3. राजेश कुमार पुत्र बलदेव निवासी ककरहवा लक्ष्मिन पा पो0 वाल्टरगंज थाना वाल्टरगंज जनपद–बस्ती (वाहन चालक)

तारीख पेशी 31–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 31 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

किशोर की गला रेतकर हत्या, शव नहर में फेंका

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। इटवा थाना क्षेत्र के विशुनपुर बैराडीह गांव निवासी एक किशोर की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बृहस्पतिवार सुबह गांव के पास खून से सना हुआ उसका शव मिला। शरीर पर कई जगह चाकू से वार के निशान थे। परिवार के मुताबिक, बुधवार रात से ही वह लापता था। हत्या को लेकर लोग हैरत में हैं। परिवार के लोगों का कहना है कि उनका किसी से विवाद भी नहीं है, फिर किसने बेटे की हत्या कर दी। परिजनों का भी मानना है कि कहीं बेटे ने कोई घटना न देख ली हो, जिसे छिपाने के लिए हत्या कर दी गई हो। फिलहाल पुलिस की कई टीम जांच के लिए लगी हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आला अधिकारियों ने घटना स्थल की जांच की है। नगर पंचायत इटवा के द्वारिका नगर वार्ड के विशुनपुर बैराडीह निवासी किशोर उमेश (14) बुधवार देर शाम घर से घूमने गया था। लेकिन, काफी देर तक वापस नहीं आया तो घरवालों ने खोजबीन शुरू कर दी। शाम कर उमेश न तो घर लौटकर आया और जानने वाले किसी के पास गया था। सुबह गांव के दक्षिण नहर में शौच करने गए कुछ लोगों को औंधे मुंह पड़ी एक लाश दिखाई पड़ी। उन लोगों ने इसकी सूचना स्थानीय थाने पर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश की शिनाख्त विशुनपुर बैराडीह निवासी उमेश पुत्र सुरेश गौतम के रूप में की। लाश को देखने से लग रहा था कि उमेश की हत्या करके लाश यहां लाकर नहर मे डाल दी गयी है। क्योंकि मृतक के गले को किसी धारदार हथियार से रेता गया है और सीने व पेट में चाकू घोपने के कई निशान मिले हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं है कि आक्रोश में उसकी हत्या की गई है। नहीं तो गला दबाकर मार दिया जाता। लेकिन इसमें क्ररूता पूवर्क उसे मारा गया है। मामले की जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच किया और शव का पंचनामा करके पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस संबंध में एसओ इटवा श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि शव को पोस्अमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच करके जल्द ही कार्रवाई की जाएगी। घटना की जानकारी मिलने के बाद एसपी प्राची सिंह, एएसपी सिद्धार्थ, सीओ गर्वित सिंह और एसओ इटवा टीम के साथ मौके पर पहुंच गए। घटना स्थल की बारीकी से जांच की। आसपास और परिवार के लोगों से मिलकर जानकारी ली। पूछताछ किया और हर प्वांइट की समीक्षी की। एसपी ने एसओ और सीओ को जल्द से जल्द मामले का पर्दाफाश करने का निर्देश दिया।

राम की पैड़ी के समीप बनेगी मुंबई के जुहू जैसी चौपाटी

संवाददाता–अयोध्या। रामनगरी में अब जल्द ही मुंबई के जुहू की तर्ज पर चौपाटी का आनंद यहां आने वाले श्रद्धालु और स्थानीय लोग उठा सकेंगे। यह चौपाटी सरयू के किनारे राम की पैड़ी पर बनेगी। आवास विभाग ने अयोध्या विकास प्राधिकरण (एडीए) के प्रस्ताव को मंजूरी देने के साथ ही 4.65 करोड़ रुपये की मंजूरी दे दी है। एडीए ने राम की पैड़ी के एक हिस्से को चौपाटी में परिवर्तित करने की कार्ययोजना तैयार की है। यहां रामलला के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के साथ स्थानीय लोग भी विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का स्वाद चख सकेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से ही यहां आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या कई गुना बढ़ गई है। मौजूदा समय में भी रोजाना एक लाख लोग अयोध्या पहुंच रहे हैं। इसी कड़ी में राम की पैड़ी पर चौपाटी के तर्ज पर फूडिंग एरिया को विकसित किया जाएगा। यहां स्थायी व अस्थायी दुकानें बनाई जाएंगी। इन दुकानों पर अयोध्या के स्थानीय व्यंजनों के साथ खाने–पीने की अन्य वस्तुएं भी मिलेंगी। चौपाटी के लिए चिह्नित क्षेत्र का सुंदरीकरण करने के साथ ही स्वच्छता का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां 84 दुकानें व रेस्टोरेंट बनाए जाएंगे। पार्किंग की भी सुविधा दी जाएगी। राम की पैड़ी पर कुछ जगहों पर चबूतरे बनाए जाएंगे ताकि लोग यहां पर बैठ कर कुछ वक्त सरयू तट पर बीता सकें। कुछ जगहों पर आधुनिक डिजाइन वाले ठेलों का संचालन भी किया जाएगा। यहां गंदगी को फैलने से रोकने के लिए जगह–जगह डस्टबिन रखवाया जाएगा। साथ ही पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखकर विभिन्न प्रकार के निर्माण व अन्य विकास कार्यों को भी कराया जाएगा। एडीए के सचिव सत्येंद्र सिंह ने बताया कि चौपाटी के निर्माण व विकास का कार्य अब तक 45 फीसदी पूरा हो गया है।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-आक्शन नोटिस सं. LJN-PRKG-08-24

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु आईआरईपीएस के ई-ऑक्शनिंग के माध्यम से ई–ऑक्शन आमंत्रित की जाती है–

क्र.सं. : 1, लॉट सं. : PARKING-LJN-GKP-TW-7-22-1 (Parking-Two Wheeler), **कार्य का विवरण : गोरखपुर** स्टेशन के आरक्षण कार्यालय स्थित दो पहिया पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 2, लॉट सं.** : PARKING-LJN-GKP-TW-5-22-2 (Parking-Two Wheeler), **कार्य का विवरण : गोरखपुर** स्टेशन के मेनगेट साईड स्थित साईकिल स्टैंड (साईकिल, मोटर साईकिल, स्कूटर) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 3, लॉट सं.** : PARKING-LJN-BRK-MX-87-22-1(Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : बहराइच** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 4, लॉट सं.** : PARKING-LJN-GKC-MX-111-24-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : गोरखपुर कैंट** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 5, लॉट सं.** : PARKING-LJN-BST-MX-52-23-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : बस्ती** स्टेशन के द्वितीय प्रवेश द्वार स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 6, लॉट सं.** : PARKING-LJN-SOT-MX-31-22-2 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : शोहरतगढ़** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका **03 वर्ष** हेतु। **क्र.सं. : 7, लॉट सं.** : PARKING-LJN-SWA-MX-62-22-1 (Parking-Mixed), **कार्य का विवरण : सहजनवा** स्टेशन के सर्कुलेटिंग एरिया स्थित संयुक्त पार्किंग (साईकिल, मोटर साईकिल, तीन पहिया, चार पहिया वाहन) का ठेका **03 वर्ष** हेतु।

• निविदाकार प्रकाशित सूचना के अनुसार ई–ऑक्शन में भाग ले सकते हैं। ireps पोर्टल पर दिए गए तिथि/समय के अनुसार सभी लॉट की ई-ऑक्शन प्रारंभ एवं बन्द होंगी। • सभी लॉट के लिए ई-ऑक्शन दि.- **13.09.2024, 12:00 बजे** प्रारंभ होकर **13.09.2024, 13:30 बजे** बंद होगी। • इस ऑक्शन के लिये मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। यदि मैनुअल माध्यम से कोई ऑफर प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। • अर्नेस्ट मनी की राशि (5%) का भुगतान केवल IREPS पोर्टल पर ठेकेदार द्वारा लिंक किये गये बैंक खाते से किया जायेगा। मैनुअल विधि जैसे– डिमाण्ड ड्राफ्ट, बैंकर्स चैक, एफडीआर, जमा रसीद आदि के माध्यम से भुगतान की अनुमति नहीं होगी। • विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in (E-Auction module) पर उपलब्ध है।

मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य), लखनऊ
मुजाधि/वाणिज्य-120

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 342/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती

सत्यदेव
बनाम
श्रीमती सुशीला देवी आदि

1. श्रीमती सुशीला देवी पत्नी रामशंकर ग्राम देवापार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. प्रभाकर पुत्र ठाकुर प्रसाद ग्राम देवापार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 3. घनश्याम पुत्र ठाकुर प्रसाद ग्राम देवापार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती 4. राम प्रकाश पुत्र ठाकुर प्रसाद ग्राम देवापार तप्पा कूढ़ा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–10–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 10 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 25/2024
श्रीमती अनीता पाण्डेय–सायल
1 श्रीमती अनीता पाण्डेय उम्र लगभग 53 वर्ष पत्नी कपिल देव पाण्डेय निवासी ग्राम उमरिया पो0 उमरिया तप्पा कनैला परगना नगरपूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–10–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती बतारीख पेशी 04–10–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम 28 माह 08 सन 2024 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0 177/2024
घनश्याम यादव–सायल
1 घनश्याम यादव उम्र करीब 35 साल पुत्र राम हिरंजन निवासी ग्राम कटया रतासगढ़ पोस्ट कटया थाना नगर तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 03–09–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 03–09–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

खेल दिवस पर जीवीएम के बच्चों ने दिखाया हुनर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जी.वी.एम.कान्वेंट स्कूल में देश के महान खिलाड़ी एवं हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर राष्ट्रीय खेल दिवस पर जीवीएम कान्वेंट स्कूल में दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता के प्रथम दिन विभिन्न तरह की रेस प्रतियोगिताएं आयोजित कराई गई। जिसमें सैकड़ो बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का निरीक्षण विद्यालय के प्रबंधक संतोष सिंह एवं प्रधानाचार्य विजयलक्ष्मी सिंह ने किया और प्रतिभागी बच्चों का उत्साह वर्धन किया। बच्चों को संबोधित करते हुए संतोष सिंह ने कहा कि मेजर ध्यानचंद सही मायने में सच्चे देशभक्त एवं उम्दा खिलाड़ी थे। हमें उनके जीवन से देश भक्ति एवं खेल के प्रति समर्पण के भाव की प्रेरणा मिलती है।

नर्सरी से कक्षा 5 तक के बच्चों ने बढ़ चढ़कर प्रतिभाग किया कक्षा 6 से 12 तक के बच्चों कि प्रतियोगिताएं कल दूसरे दिन कराई जाएगी एवं सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

इस अवसर पर डी.के., विजय गुप्ता, प्रवीण,राकेश, राजेश, गिरीश, शैलेन्द्र, सुधांशु,उपेन्द्र, अनन्या, रूबीना, हिना, ममता, रागिनी, अनिता, खुश्बू शबनम, श्रुति, सुधीर, सावित्री, प्रविण, अंकुष, पंकज, जितेन्द्र, विजयि मोहन, जय प्रकाश, नितिन, अंकुश,आदि शिक्षक एवं शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कार्य में शिथिलता पर बीईओ व प्रधानाध्यापक से मांगा स्पष्टीकरण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। प्राथमिक विद्यालय टड़वा का डीएम डॉ.राजा गणपति आर ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अनुपस्थित मिले शिक्षामित्र का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। साथ ही शैक्षिक गतिविधियों में लापरवाही व काम में शिथिलता मिलने पर प्रधानाध्यापक व बीईओ से जवाब तलब किया है। डीएम के निरीक्षण में नामांकित 61 बच्चों के सापेक्ष 22 उपस्थित मिले। बच्चे जूता मोजा नहीं पहने थे। डीएम ने जिम्मेदारों को अभिभावकों की नियमित बैठक कराने व उन्हें प्रेरित कर जूता–मोजा, ड्रेस आदि खरीदवाने का निर्देश दिया। जांच में टीएलएम का सामान अन्दर रखा मिला। शिक्षक डायरी भी नहीं भरी गई थी। समय सारिणी भी नहीं बनी थी। इस पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए प्रधानाध्यापक काजी महफूजुलहक से जवाब तलब करते हुए 15 दिन के अन्दर सुधार लाने का निर्देश दिया। शिक्षामित्र मीना त्रिपाठी बिना किसी सूचना के अनुपस्थित रहीं। इस पर डीएम ने एक दिन का मानदेय काटने का निर्देश दिया। विद्यालय की दीवाल पर पेंटिंग नहीं थी और अन्य कार्यों में शिथिलता पाई गई। इस पर खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार का स्पष्टीकरण प्राप्त करने का निर्देश दिया। साथ ही बीईओ को सुबह आठ बजे से क्षेत्र में रहकर विद्यालयों का निरीक्षण कर शिक्षा की गुणपत्ता में सुधार लाने का निर्देश दिया।

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com